

रॉबर्ट वानॉय, बाइबिल भविष्यवाणी की नींव, व्याख्यान 22

आमोस 9:11-15

आमोस 9:11-15 भविष्य की आशीष का वादा

हम आमोस 9:11-15 को देखेंगे जो पुस्तक के चौथे खंड के बारे में है: "भविष्य की आशीष का वादा।" यहाँ आमोस निर्णय की कई पूर्ववर्ती घोषणाओं की पृष्ठभूमि में आशा का एक नोट प्रस्तुत करता है। पुस्तक के इस अंतिम खंड से संबंधित दो प्रश्नों पर काफी चर्चा हुई है।

1. प्रामाणिकता एक, इसकी प्रामाणिकता का प्रश्न, यानी, क्या इस खंड का श्रेय स्वयं आमोस को दिया जाना चाहिए या यह कुछ ऐसा है जो बाद में पुस्तक से जुड़ा हुआ था? जो लोग प्रामाणिकता पर सवाल उठाते हैं, वे तर्क की उस पंक्ति का उपयोग करते हैं जो कहती है कि निहित ऐतिहासिक पृष्ठभूमि आमोस के समय की नहीं है। समापन छंदों में संकेतित स्थिति यह है कि यहूदा को अब बेबीलोनियों ने बंदी बना लिया है।

इसके अलावा, यह विश्वास करना मुश्किल है कि, ऐसे समय में जब डेविड का राजवंश खड़ा था, लोगों को उसकी "गिरी हुई झोपड़ी" की मरम्मत, "उसके उल्लंघनों" को बंद करने, "उसके खंडहरों को खड़ा करने" की तलाश करने के लिए कहा गया था। " और इसका पुनर्निर्माण "पुराने दिनों की तरह" (व.11)। दूसरे शब्दों में, उपसंहार में, दृष्टिकोण बदल जाता है; और समस्या यशायाह के लेखकत्व के समान हो जाती है।

याद रखें जब हमने यशायाह के संबंध में उस मुद्दे पर चर्चा की थी जब वह इज़राइल की वापसी के बारे में बोलता है? तो, तर्क की उसी पंक्ति का उपयोग यहाँ किया गया है। जवाब में, मैं बस बहुत संक्षेप में कहूंगा, मुझे लगता है कि यह निश्चित रूप से पूछा जा सकता है कि एक भविष्यवक्ता ने जो भविष्यवाणी की थी उसके घटित होने की पूर्वकल्पना क्यों नहीं कर सकता? आमोस का कहना है कि तुम दमिश्क से आगे बन्धुवाई में जाने वाले हो। वह कहता है कि तुम्हारी इमारतें नष्ट होने वाली हैं। आपके योद्धा बच नहीं पाएंगे. आमोस, जिसने 2:4-5 में यरूशलेम के पतन की भविष्यवाणी की थी, यह क्यों नहीं मान सका कि ऐसा हुआ है और फिर इससे परे क्यों नहीं

देख सका। दूसरे शब्दों में, मुझे ऐसा नहीं लगता कि यह तर्क की कोई ठोस पंक्ति है, और इसलिए पुस्तक के इस अंतिम खंड की प्रामाणिकता के बारे में कोई प्रश्न नहीं होना चाहिए।

2. आमोस 9:11-15 की व्याख्या पर प्रश्न

लेकिन, मुझे नहीं लगता कि वह मुद्दा दूसरे मुद्दे जितना महत्वपूर्ण है। दूसरा मुद्दा व्याख्यात्मक प्रश्न है कि आप आमोस 9:11-15 को कैसे समझते हैं। हमें अध्याय 9 में श्लोक 11 से 15 की व्याख्या कैसे करनी चाहिए, जिसमें अधिनियम 15 में यरूशलेम की परिषद में जेम्स द्वारा श्लोक 11 और 12 का उपयोग भी शामिल है? मेरे लिए यहां दोतरफा प्रश्न है। हम कैसे समझते हैं कि उन्होंने यहां क्या कहा और जेरूसलम परिषद में जेम्स द्वारा इसका उपयोग कैसे किया गया? लेकिन आमोस 9:11-15 से भी अधिक आंतरिक रूप से: इस परिच्छेद के श्लोक 11 और 12 की व्याख्या का श्लोक 13 और 15 की व्याख्या से क्या संबंध है? दूसरे शब्दों में, क्या यह परिच्छेद एक इकाई है जिसमें यह मूल रूप से एक ही चीज़ के बारे में बात कर रहा है, या क्या 11 और 12 और 13 और 15 के बीच किसी प्रकार का विच्छेदन है? आप 11 और 12 को 13-15 से कैसे जोड़ते हैं?

आमोस 9:11-15 और अधिनियम 15:12-19 जेए मोटयेर आमोस 9:11-15 के बारे में कहते हैं, "डेविडिक मसीहा का विश्वव्यापी शासन एक नियमित भविष्यवाणी विशेषता है और शाही भजनों में प्रमुखता से दर्शाया गया है। इनमें से कई परिच्छेदों में युद्ध जैसे रूपक को निश्चित रूप से "प्रभु यीशु मसीह के शासन और चर्च के मिशनरी विस्तार" के संदर्भ में समझा जाना चाहिए। यह अधिनियम 15:12-19 में एनटी द्वारा अधिकृत व्याख्या है। दूसरे शब्दों में, जब जेम्स जेरूसलम काउंसिल में चर्चा में आमोस 9 को उद्धृत करता है, तो वह आमोस 9 की व्याख्या इस प्रकार कर रहा है कि वह डेविड की गिरी हुई झोपड़ी के पुनर्निर्माण और चर्च के मिशनरी विस्तार में प्रभु यीशु मसीह के शासन की बात कर रहा है। यह एक सामान्य व्याख्या है जो आपके स्वयं के कई दस्तावेजों में सामने आती है।

प्रोफेसी एंड द चर्च में ओटी एलिस, आमोस 9 के बारे में कहते हैं, "शायद पवित्रशास्त्र की व्याख्या करने की व्यवस्थागत पद्धति की शुद्धता का परीक्षण करने के लिए नए नियम में यह सबसे

अच्छा मार्ग है।" इसलिए एलीस एक सहस्त्राब्दिवादी है और उसने व्यवस्थागत व्याख्यात्मक पद्धति का कड़ा विरोध किया।

अधिनियम 15 में पुराने स्कोफ्रील्ड नोट्स में, अधिनियम 15 में अमोस 9 के उपयोग के बारे में दिए गए बयान पर ध्यान दें, "वैधानिक रूप से, यह नए नियम में सबसे महत्वपूर्ण मार्ग है।" इसलिए इस बहस के व्यवस्थागत पक्ष के साथ-साथ बहस के सहस्त्राब्दिवादी पक्ष की ओर से यह मेरे लिए दिलचस्प है कि इस अनुच्छेद से संबंधित असहमति बहुत महत्वपूर्ण है।

इस परिच्छेद का उपयोग जेए मोटयेर और ओटी एलिस के तरीके से और सहस्राब्दी व्याख्या स्कूल में कई लोगों द्वारा किया गया है। इस अनुच्छेद से निकाले गए निष्कर्ष, जैसा कि यहां नए नियम में उपयोग किया गया है, चर्च के संदर्भ के रूप में अन्य पुराने नियम के राज्य की भविष्यवाणियों की समान व्याख्याओं का समर्थन करने के लिए उपयोग किया जाता है। दूसरे शब्दों में, यदि, जैसा कि वह आमोस 9 श्लोक 12 में कहता है कि "वे एदोम के बचे हुए लोगों पर कब्जा कर सकते हैं," और अधिनियम 15 में कि "एदोम के अवशेषों पर कब्जा" को यह कहने के लिए संशोधित किया गया है, "ताकि पुरुषों के अवशेष उनके पास आ सकें" पद 17 में प्रभु की तलाश करें। यदि यह आमोस कथन की व्याख्या है तो आपके पास एदोम के बारे में उस कथन की एक आलंकारिक व्याख्या है जिसे यरूशलेम परिषद द्वारा अपनाया गया है।

सहस्त्रवर्षीय दृष्टिकोण अब, इस दृष्टिकोण के लोगों द्वारा विकसित तर्क की पंक्ति इस प्रकार है। सबसे पहले, आमोस 9 के श्लोक 11 में, गिरे हुए डेविड के तम्बू को ऊपर उठाना, सुसमाचार के प्रचार के वर्तमान समय में डेविड के पुत्र के रूप में मसीह की शक्ति के संदर्भ के रूप में लिया गया है। दूसरे शब्दों में, आयत 11 कहती है, "उस दिन मैं दाऊद के गिरे हुए तम्बू को फिर खड़ा करूँगा, उसके खंडहरों की मरम्मत करूँगा और उसे खड़ा करूँगा।" वह मसीह की बात कर रहा है और यह सुसमाचार के प्रचार के वर्तमान समय में पूरा हुआ है। थियोडोर लातेश टिप्पणी करते हैं, "वह गिरी हुई झोपड़ी को ऊपर उठाएगा, और इसे इसके उच्चतम पूर्व वैभव से कहीं अधिक गौरवान्वित करेगा... यह मसीहा के दिनों में पूरा हुआ था। यीशु और प्रेरितों ने इस्राएल के घराने की

खोई हुई भेड़ों को पश्चाताप के लिए बुलाकर अपना काम शुरू किया। इन धर्मातरित यहूदियों में निस्संदेह दस जनजातियों के कई सदस्य थे। नए नियम के चर्च में इसराइल के उत्तरी और दक्षिणी साम्राज्य को अलग करने वाली दरार ठीक हो जाएगी।" इसलिए इसकी पूर्ति आरंभिक सुसमाचारों में प्रथम आगमन और चर्च की स्थापना के लिए है।

भविष्यवाणी और चर्च में ओटी एलिस कहते हैं, " शब्द 'मैं डेविड के गिरे हुए तम्बू को ऊपर उठाऊंगा ' भविष्य के डेविडिक साम्राज्य को संदर्भित नहीं करता है," न ही डेविड के गिरे हुए कबीले को ऊपर उठाने से कोई संबंध है दूसरे आगमन पर ईसा मसीह के संबंध में। यह पहला आगमन है और भविष्य के डेविडिक साम्राज्य का उल्लेख नहीं करता है । "दाऊद का घराना, दाऊद और सुलैमान का शक्तिशाली राज्य, एक नीच 'बूथ' के स्तर तक डूब गया था। जब इमैनुएल, यीशु, दाऊद का पुत्र, बेथलहम में पैदा हुआ, तो स्वर्गदूतों द्वारा उसकी घोषणा की गई और उसकी प्रशंसा की गई; और डेविड के बेटे के रूप में ट्रिनिटी के दूसरे व्यक्ति का अवतार डेविड के गिरे हुए बूथ को ऊपर उठाने की शुरुआत थी। और जब दाऊद के पुत्र ने मृत्यु पर विजय प्राप्त की और अपने शिष्यों को यह वचन दिया: 'स्वर्ग और पृथ्वी पर सारी शक्ति मुझे दी गई है,' तो उसने ऐसी संप्रभुता का दावा किया जो दाऊद से कहीं अधिक महान थी, या जिसे प्राप्त करने का उसने कभी सपना देखा था।

इसलिए, जब पतरस और अन्य प्रेरितों ने घोषणा की कि भगवान ने यीशु को उठाया था और 'उसे एक राजकुमार और उद्धारकर्ता बनने के लिए अपने दाहिने हाथ पर चढ़ाया था,' तो वे इस बात पर जोर दे रहे थे कि जो शक्तिशाली कार्य करने के लिए उन्हें सक्षम किया गया था, वे प्रत्यक्ष अभ्यास थे। उन्हें उसकी संप्रभु शक्ति का। तो, श्लोक 11 की व्याख्या ईसा मसीह के पहले आगमन के बारे में बात करने के रूप में की गई, यीशु ने डेविड के गिरे हुए घर को ऊपर उठाया।

श्लोक 12 में लिखा है, "ताकि वे एदोम के बचे हुए लोगों और उन सभी राष्ट्रों पर अधिकार कर सकें जो मेरा नाम लेते हैं, प्रभु की यही वाणी है।" एदोम के अवशेष पर कब्ज़ा करना "अन्यजातियों के रूपांतरण" के बराबर बना दिया गया है। यह अधिनियम 15:17 में अमोस मार्ग के उद्धरण में शब्दों के परिवर्तन पर आधारित है जहां यह पढ़ता है , "एदोम पर कब्ज़ा करने" के

बजाय, "ताकि बचे हुए मनुष्य प्रभु की खोज कर सकें, और सभी राष्ट्रों को जिसे मेरा नाम कहा जाता है।" शब्दों में इस महत्वपूर्ण परिवर्तन को अमोस मार्ग की एक जानबूझकर और प्रेरित व्याख्या के रूप में माना जाता है जिसके माध्यम से ओटी कथन को उच्च स्तर के अर्थ तक उठाया जाता है। आप एदोम के अवशेष को अपने कब्जे में लेने से आगे बढ़ रहे हैं प्रभु की खोज करने वाले बचे हुए लोगों के लिए। हालाँकि, यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि जेम्स सेप्टुआजेंट के शब्दों को उद्धृत करता है। हम 13 से 15 तक आगे बढ़ेंगे। श्लोक 13 से 15 में लिखा है, "प्रभु की यह वाणी है, ऐसे दिन आते हैं, जब हल जोतनेवाला काटनेवाले को और अंगूर लताड़नेवाला बोनेवाले को जा पकड़ेगा। नयी दाखमधु पहाड़ों से टपकेगी और सब पहाड़ियों से बह निकलेगी। मैं अपनी निर्वासित प्रजा इस्राएल को लौटा ले आऊंगा; वे उजड़े हुए नगरोंको फिर बसाएंगे, और उन में बसेंगे। वे दाख की बारियां लगाएंगे, और उनका दाखमधु पीएंगे; वे बगीचे बनाएंगे और उनका फल खाएंगे। मैं इस्राएल को उन्हीं की भूमि में बसाऊंगा, और जो भूमि मैं ने उन्हें दी है उस में से वे फिर कभी उखाड़े न जाएंगे, यहोवा का यही वचन है। इस व्याख्यात्मक संभावना से, अन्यजातियों का पहला आगमन और रूपांतरण श्लोक 12 में हैं। श्लोक 13 से 15 को आमतौर पर आलंकारिक भाषा के माध्यम से ईसाई चर्च के वर्णनात्मक के रूप में लिया जाता है।

मुझे यहां लाएत्स पृष्ठ 192 से पढ़ने दीजिए जहां वह पद 13 के बारे में कहता है, "हल चलाने वाला काटने वाले को और अंगूर रौंदने वाला बोने वाले को पकड़ लेगा।" वह कहता है, "जो हल चलानेवाला नये बीज बोने के लिये मिट्टी तैयार कर रहा है, वह काटनेवाले से आगे निकल जाएगा। हल चलाने वाले द्वारा तैयार की गई मिट्टी में बोने वाले द्वारा बोए गए बीज से फसल इकट्ठा करने में व्यस्त रहना। दूसरी ओर, अंगूर की खेती करने वाला उस आदमी से आगे निकल जाएगा जो भविष्य की फसल के लिए लगन से बीज बो रहा है। दूसरे शब्दों में, यह किस बारे में बात कर रहा है? चर्च ऑफ क्राइस्ट में लगातार तैयारी की जाएगी और विधर्म की खोज की जाएगी, चर्च ऑफ क्राइस्ट में कटाई और कटाई की जाएगी, मिशनरियों को भेजने का काम तैयार किया जाएगा जो वचन का प्रचार कर रहे हैं, जो हमेशा चलता रहेगा। और धर्मान्तरित लोगों को चर्च में लाकर पूलियाँ एकत्रित करने का आनंद भी निरंतर जारी रहेगा।" और यह अमोस परिच्छेद के साथ लगातार किया जाता

है, लेकिन श्लोक 15 कहता है, "मैं इस्राएल को उन्हीं की भूमि में बसाऊंगा, और फिर कभी उजाड़ न सकूंगा।" वह किस बारे में बात कर रहा है? जैसा कि कहा गया है, श्लोक 15 "यूहन्ना 10:27 जैसी नए नियम की भविष्यवाणियों के लिए पुराने नियम की भाषा है, जो कहता है, 'कोई भी उन्हें मेरे हाथ से कभी नहीं छीनेगा,' आस्तिक की सुरक्षा।" इसलिए अनुच्छेद की इस तरह से व्याख्या करने में श्लोक 13 से 15 को आम तौर पर चर्च के वर्णनात्मक रूप में लिया जाता है। एंथोनी होकेमा उन्हें चर्च के बजाय शाश्वत राज्य के वर्णनात्मक के रूप में लेते हैं लेकिन फिर कोई पूछ सकता है कि इज़राइल पर जोर क्यों? "मैं इस्राएल को उन्हीं के देश में बसाऊंगा, मैं अपनी निर्वासित प्रजा इस्राएल को वापस ले आऊंगा; वे उजड़े हुए नगरों का पुनर्निर्माण करेंगे।"

मैंने आपके हैंडआउट्स पर मोटे अक्षरों में लिखा है, एक उदाहरण के लिए एंथोनी होकेमा *द बाइबल एंड द प्र्यूचर देखें कि वास्तव में एक व्याख्याशास्त्र का उपयोग कैसे किया जाए जिसे अन्य अनुच्छेदों पर भी लागू किया जा सकता है।* यह इस विशेष परिच्छेद के महत्व और नए नियम में इसके उपयोग का मुद्दा है क्योंकि इस विचारधारा के व्याख्याकार अपनी व्याख्या के सिद्धांत इसी से प्राप्त करते हैं। यहाँ होकेमा का कहना है, "हालाँकि, इस प्रकार की भविष्यवाणियाँ *आलंकारिक रूप से भी पूरी हो सकती हैं।* बाइबल इस प्रकार की पूर्ति का स्पष्ट उदाहरण देती है। मैं प्रेरितों के काम 15:14-18 में आमोस 9:11-12 के उद्धरण का उल्लेख करता हूँ। जेरूसलम की परिषद में, जैसा कि अधिनियम 15 में बताया गया है, पहले पीटर और फिर पॉल और बरनबास बताते हैं कि कैसे भगवान ने अपने मंत्रालयों के माध्यम से कई अन्यजातियों को विश्वास में लाया है। जेम्स, जो स्पष्ट रूप से परिषद की अध्यक्षता कर रहा था, अब कहता है, 'भाइयों, मेरी बात सुनो। शमौन [पीटर] ने बताया है कि किस प्रकार परमेश्वर ने सबसे पहले अन्यजातियों के पास जाकर उनसे अपने नाम के लिये एक जाति बनाई। और इस से भविष्यद्वक्ताओं के वचन मेल खाते हैं, जैसा लिखा है, कि इसके बाद मैं फिर लौटूंगा, और दाऊद का जो गिर गया हुआ भवन फिर बनाऊंगा; मैं उसके खण्डहरों को फिर से बनाऊंगा, और उसे खड़ा करूंगा, कि बाकी मनुष्य, और सब अन्यजाति जो मेरे कहलाते हैं, यहोवा को ढूँढ़ सकें, यहोवा का यही वचन है, जिस ने ये बातें प्राचीनकाल से प्रगट की हैं" (अधिनियम 15:14-18). जेम्स यहाँ आमोस 9:11-12 के शब्दों को

उद्धृत कर रहा है। उसका ऐसा करना इंगित करता है कि, उसके फैसले में, डेविड के गिरे हुए बूथ या तम्बू को उठाने के बारे में अमोस की भविष्यवाणी ('उस दिन मैं डेविड के गिरे हुए बूथ को उठाऊंगा...') अभी पूरा हो रहा है, जैसे अन्यजातियों को परमेश्वर के लोगों के समुदाय में इकट्ठा किया जा रहा है। इसलिए, यहां हमारे पास बाइबिल में ही इज़राइल की बहाली से संबंधित पुराने नियम के एक आलंकारिक, गैर-शाब्दिक व्याख्या का एक स्पष्ट उदाहरण है... फिर, यहां, हम पाते हैं कि नया टेस्टामेंट स्वयं इज़राइल की बहाली के बारे में पुराने नियम की भविष्यवाणी की व्याख्या कर रहा है। अशाब्दिक तरीके से. और फिर उसकी अगली टिप्पणी पर ध्यान दें। “ यह भी हो सकता है कि ऐसी अन्य भविष्यवाणियों की भी आलंकारिक व्याख्या की जानी चाहिए। दूसरे शब्दों में, यहाँ उस तरह की व्याख्या का एक बाइबिल उदाहरण है तो फिर वे उस व्याख्यात्मक पद्धति का उपयोग अन्य भविष्यवाणियों के साथ क्यों नहीं कर सकते जो इज़राइल के भविष्य का संदर्भ देती हैं? कम से कम हम इस बात पर ज़ोर नहीं दे सकते कि इज़राइल की बहाली के बारे में सभी भविष्यवाणियों की शाब्दिक व्याख्या की जानी चाहिए।

आमोस 9:11-15 की व्याख्या करना

1. आमोस 9:12

अब, आइए इन व्याख्यात्मक प्रश्नों को थोड़ा और आगे देखें। मैं जो करना चाहता हूँ वह आमोस 9 में बिंदु दो, पद 12 से शुरू करना है। मैंने बिंदु एक पद 11, बिंदु दो पद 12, बिंदु तीन पद 13-15 बनाया है। आप आमोस परिच्छेद को श्लोक 11, श्लोक 12, और श्लोक 13-15 और बिंदु एक, दो और तीन में विभाजित कर सकते हैं। मैं पहले बिंदु दो को देखना चाहता हूँ क्योंकि मुझे लगता है कि बिंदु दो, जो कि आमोस 9 परिच्छेद का श्लोक 12 है, इस मुद्दे का केंद्र है। तो सबसे पहले इसे देखें, और मुझे लगता है कि श्लोक 12 विशेष महत्व का बिंदु है क्योंकि सबसे पहले, नए नियम का उद्घरण जो इससे आता है, और दूसरे मुझे लगता है कि आमोस के श्लोक 12 में व्याख्यात्मक मुद्दों के संबंध में आप जो निष्कर्ष निकालते हैं, उसका महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। आप श्लोक 11 के साथ-साथ श्लोक 13-15 की व्याख्या कैसे करेंगे। दूसरे शब्दों में, मुझे लगता है कि

इसका मर्म श्लोक 12 में पाया जाता है और यह निर्धारित करेगा कि आप श्लोक 11 और श्लोक 13-15 में क्या करते हैं।

दाराश (तलाश) एलएक्सएक्स और डीएसएस या याराश (अधिकारी) एमटी

तो सबसे पहले श्लोक 12 को देखने पर, एक पाठ्य संबंधी समस्या है। आपमें से कुछ लोग इस पर आए। 1953 में एलन मैकरे द्वारा लिखित "साइंटिफिक अप्रोच टू द ओल्ड टेस्टामेंट" में एक लेख इस अमोस 9 परिच्छेद को संदर्भित करता है। और उन्होंने जो नोट किया वह कुछ ऐसा है जिसे दूसरों ने भी नोट किया है, वह यह है कि अधिनियमों में शब्दांकन सेप्टुआजेंट का एक उद्धरण है। दूसरे शब्दों में, जब जेम्स अमोस से उद्धरण देता है तो वह जिस भाषा का उपयोग करता है वह सेप्टुआजेंट से सहमत होती है। यह अमोस 9 में मैसोरेटिक पाठ से सहमत नहीं है। एलिस भी इससे सहमत है। हालाँकि, मैकरे आगे लिखते हैं कि यदि ओटी भविष्यवाणी को अर्थ के उच्च स्तर तक उठाना है, जैसा कि सहस्राब्दिवादी व्याख्याकारों का सुझाव है, तो यह सेप्टुआजेंट है जिसने शुरू में ऐसा किया था, जेम्स ने नहीं। निश्चित रूप से सेप्टुआजेंट के अज्ञात लेखकों को प्रेरित नहीं माना जाना चाहिए।

तो हम सेप्टुआजेंट और मैसोरेटिक पाठ के बीच अंतर को कैसे समझाएंगे? मैकरे का सुझाव है कि सबसे तार्किक उत्तर यह है कि जेरूसलम काउंसिल के समय सेप्टुआजेंट और हिब्रू पाठ में सहमति थी, और दोनों में एक ही शब्द पाए गए थे। यदि जेम्स ने एक ऐसे उद्धरण का उपयोग किया था जो परिषद के लोगों द्वारा हिब्रू मूल के रूप में बताए गए उद्धरण से भिन्न था, तो किसी ने यह क्यों नहीं कहा कि "एक मिनट रुकें, ओटी का एक गलत उद्धरण इस मुद्दे को तय करने का आधार नहीं होगा हमारे लिए इस परिषद का!" इस सुझाव को विशेष रूप से व्यवहार्य बनाने वाली बात यह है कि केवल एक हिब्रू अक्षर, *योथ का परिवर्तन डेलथ* के लिए, जो वैसे भी आसानी से भ्रमित हो जाता है, सेप्टुआजेंट के लिए स्वीकार्य एक हिब्रू मूल देता है, साथ ही दो स्वर अक्षरों को भी जोड़ता है जो सेप्टुआजेंट के अनुवाद के समय के बाद हिब्रू पाठ में पेश किए गए हो सकते हैं। दूसरे शब्दों में, यहाँ मुख्य शब्द यह *यारश* (कब्ज़ा) है या यह *दरश* (तलाश) है, "ताकि वे मुझे 'तलाश' कर सकें? यदि उस *योथ को दलेथ* में बदल दिया गया था, तो "तलाश" में *यारश*

(कब्जा) के बजाय *दरश का अनुमान लगाया गया है*। आप देखिए जिसे *वोरलेज कहा जाता है* वह हिब्रू पाठ था जो सेप्टुआजेंट के अनुवादकों के सामने रखा गया था। यह ऐसा हो सकता था जो न्यू टेस्टामेंट में अमोस को उद्धृत करने के तरीके के अनुरूप हो।

यह सुझाव, और यह कुछ ऐसा है जिसके बारे में मैकरे को जानकारी नहीं थी क्योंकि लेख में इसका उल्लेख नहीं किया गया था, जे. डे वार्ड के अवलोकन से यह मजबूत हुआ है कि मृत सागर स्कॉल 4QFlor 1.12 में से एक, बाइबिल ग्रंथों में से एक नहीं है मृत सागर स्कॉल की। यह एक ऐसा पाठ है जिसमें उन ग्रंथों का संकलन है जो 2 शमूएल 7 के डेविडिक वादे के आसपास केंद्रित है, और इसमें अमोस 9:11-12 का संकेत है। हिब्रू शब्दांकन वास्तव में अधिनियमों में उद्धरण के शब्दों से मेल खाता है। दूसरे शब्दों में, मृत सागर स्कॉल के भीतर 4QFlor 1.12 के साथ एक हिब्रू पाठ है जो अमोस मैसोरेटिक पाठ प्रतिपादन के बजाय इस कविता के अधिनियम प्रतिपादन से मेल खाता है। डी वार्ड टिप्पणी करते हैं, " यह प्रश्न उठाना आवश्यक नहीं होगा यदि 4QFlor 1.12 और अधिनियम 15,16 में Am 9,11 की सावधानीपूर्वक जांच हमें ऐसा करने के लिए मजबूर नहीं करती। अधिनियमों में अमोस उद्धरण का पाठ रूप मैसोरेटिक पाठ और सेप्टुआजेंट से भिन्न है , लेकिन यह 4QFlor के बिल्कुल समान है। सेप्टुआजेंट अधिनियमों में श्लोक 16 में है, श्लोक 17 में नहीं। मृत सागर स्कॉल में, हमारे पास *यारश (कब्जा) के बजाय दरश (तलाश) है*। ऐसा लगता है कि यह सुझाव अतिरिक्त महत्व रखता है क्योंकि अब हमारे पास मृत सागर स्कॉल में इसके सबूत हैं।

लेकिन दूसरी बात, यरूशलेम की परिषद में चर्चा का मुद्दा क्या था और अमोस की भविष्यवाणी इस मुद्दे को कैसे संबोधित करती है? दूसरे शब्दों में, जेम्स अपने तर्क को कैसे आगे बढ़ाते हैं और इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि वे अमोस मार्ग के इस उद्धरण के आधार पर यरूशलेम की परिषद में आए थे? जेरूसलम काउंसिल में चर्चा के तहत मुद्दे को स्पष्ट रूप से समझने की जरूरत है। मुद्दा यह नहीं था कि क्या अन्यजाति ईसाई बन सकते हैं। वह प्रश्न पहले ही सुलझा लिया गया था, अधिनियम 1:1-18 पर वापस जाएँ, "पवित्र आत्मा उन पर वैसे ही आया जैसे हम पर।" मुद्दा यह था कि क्या उन अन्यजातियों का भी खतना करने की आवश्यकता होगी जिनका धर्म परिवर्तन हो चुका है। अर्थात्, क्या उन्हें चर्च द्वारा स्वीकार किए जाने के लिए पहले यहूदी

धर्मांतरणकर्ता बनने की आवश्यकता होगी। प्रेरितों के काम 15:5-6 में, "तब फरीसियों के दल के कुछ विश्वासी खड़े हुए और कहने लगे, 'अन्यजातियों का खतना किया जाना चाहिए और मूसा की व्यवस्था का पालन करना आवश्यक है।'" प्रेरित और बुजुर्ग मिले। इस प्रश्न पर विचार करने के लिए, क्या हमें इन अन्यजातियों को चर्च का सदस्य बनने के योग्य बनाने के लिए उनका खतना करना होगा। जेम्स उस प्रश्न का समाधान करने के लिए अमोस परिच्छेद को उद्धृत करता है। किसका खतना होना चाहिए? उनका तर्क इस प्रकार है।

सबसे पहले, वह श्लोक 14 में कुरनेलियुस और उसके परिवार के परिवर्तन के बारे में पतरस के संदर्भ को संक्षेप में प्रस्तुत करता है। प्रेरितों के काम 15 श्लोक 13 की ओर मुड़ें, "जब उन्होंने समाप्त किया, तो जेम्स ने कहा: 'भाइयों, मेरी बात सुनो। शमौन ने वर्णन किया है कि किस प्रकार परमेश्वर ने सबसे पहले अन्यजातियों से अपने लिए एक जाति लेकर अपनी चिंता प्रकट की।' और आप देखते हैं, पतरस उठ खड़ा हुआ, पद 7 पर वापस जा। उसने उठकर उन्हें संबोधित किया, 'भाइयो, आप जानते हैं कि कुछ कुछ समय पहले, परमेश्वर ने तुम में से एक को चुन लिया, कि अन्यजाति मेरे होठों से सुसमाचार का सन्देश सुनें और विश्वास करें। परमेश्वर ने, जो हृदयों को जानता है, उन्हें पवित्र आत्मा देकर दिखाया कि उसने उन्हें स्वीकार किया है, जैसे उसने हमारे साथ किया। उसने हमारे और उनके बीच कोई भेद नहीं किया, क्योंकि उसने विश्वास के द्वारा उनके हृदयों को शुद्ध किया। तो फिर, तुम चेलों की गर्दनों पर ऐसा जूआ डालकर परमेश्वर की परीक्षा लेने की कोशिश क्यों करते हो, जिसे न तो हम और न ही हमारे पिता सहन कर पाए? नहीं! हमारा मानना है कि यह हमारे प्रभु यीशु की कृपा से है कि हम बच गए हैं, जैसे वे हैं।' तभी याकूब उठता है और कहता है, 'शमौन ने वर्णन किया है कि किस प्रकार परमेश्वर ने सबसे पहले अन्यजातियों से अपने लिये एक लोग लेकर अपनी चिन्ता प्रकट की।'"

अमोस 9:12 अधिनियम 15 में उद्धरण - सरल उद्धरण जरूरी नहीं कि एक पूर्ति उद्धरण हो।

आपके हैंडआउट्स पर वापस जाएं, बिंदु बी। फिर वह कहते हैं कि अमोस की बातें इससे सहमत हैं। दरअसल, वह कहता है कि भविष्यवक्ताओं के शब्द इसके अनुरूप हैं और फिर वह

आमोस से उद्धरण देता है। वह यह नहीं कहता है कि अमोस परिच्छेद ने उस विशिष्ट मामले की भविष्यवाणी की थी जिसका पतरस ने वर्णन किया था, अर्थात्, अन्यजातियों का रूपांतरण और चर्च की शुरुआत। हमें याद रखना चाहिए कि जेरूसलम परिषद में मुद्दा यह नहीं था कि क्या अन्यजातियों को परिवर्तित किया जा सकता है; बल्कि, क्या अन्यजातियों को खतना करने और मूसा की व्यवस्था का पालन करने की आवश्यकता होगी। यह मानना तर्कसंगत नहीं है कि जेम्स ने एक ओटी भविष्यवाणी को उद्धृत करते हुए कहा कि गैर-यहूदी मसीह के पास आएं, और फिर इससे यह निष्कर्ष निकला कि चूंकि ओटी कहता है कि अन्यजातियों को मसीह का ज्ञान हो जाएगा, इसलिए उन्हें खतना करने की आवश्यकता नहीं है। ऐसा निष्कर्ष उस प्रश्न को जन्म देगा जो पूछा जा रहा था। वह व्याख्या जो यह कहती है कि जेम्स यह स्थापित करने के लिए एक श्लोक उद्धृत कर रहा था कि अन्यजातियों को परिवर्तित किया जाएगा, सीधे तौर पर खतना मुद्दे को संबोधित नहीं करता है। चूंकि परिषद जेम्स की सलाह को अपनाने के लिए सहमत हो गई, इसलिए हमें यह मान लेना चाहिए कि उसने जो अंश उद्धृत किया वह किसी तरह से खतना के प्रश्न को संबोधित करता है। आम तौर पर सहस्राब्दी व्याख्या इस बिंदु को पर्याप्त मान्यता नहीं देती है। निश्चितता का मुद्दा यह नहीं है कि क्या अन्यजातियों को परिवर्तित किया जा सकता है - हाँ, उन्हें परिवर्तित किया जा सकता है - लेकिन जब वे ऐसा करते हैं, तो क्या हमें उनका खतना करने की आवश्यकता है या नहीं? यदि कोई मानता है कि अमोस मार्ग युगांतिक साम्राज्य के बारे में बात कर रहा है, और जेरूसलम काउंसिल के बाद की पूर्ति के बारे में बात कर रहा है, तो जेम्स ने मार्ग का जो उपयोग किया है वह एक अलग अर्थ लेता है।

प्रेरितों के काम 15 में आमोस 9:11 ध्यान दें कि जेम्स पीटर की उपस्थिति पर यह कहते हुए बोलता है, "साइमन ने बताया है कि कैसे भगवान ने **सबसे पहले** गैर-यहूदियों से अपने लिए एक लोगों को लेकर अपनी चिंता दिखाई थी।" यह काफी अजीब बयान है। और आप ध्यान दें, जैसा कि मैंने यहां बोल्ट में लिखा है, 'सबसे पहले।' वह इसे 'सबसे पहले' क्यों रखता है? फिर उसने जो कुछ पतरस ने उनसे कहा था उसका सारांश बताता है। जब जेम्स अमोस के उद्धरण को अन्यजातियों के

रूपांतरण के साथ जोड़ता है तो वह कहता है (श्लोक 16ए) " **इसके बाद** मैं वापस आऊंगा और ..." जेम्स का " **इसके बाद** " **क्रम 14 के** " **पहले** " के साथ है और यह एक स्पष्ट संशोधन है आमोस 9:11 के इब्रानी शब्दों में । दूसरे शब्दों में, जैसा कि आप एक्ट्स में पढ़ते हैं, जेम्स कहते हैं, "भगवान ने सबसे पहले ऐसा किया...इसके बाद मैं वापस आऊंगा।" तो अधिनियमों में वह क्रम है, "पहले," फिर "इसके बाद।" यह आमोस 9:11 के हिब्रू शब्दों का एक स्पष्ट संशोधन है। आमोस 9:11 के इब्रानी शब्दों में, यह "इसके बाद" नहीं कहा गया है । आमोस 9:11 शुरू होता है, "उस दिन मैं उठ खड़ा होऊंगा।" जब जेम्स उद्धृत करता है "उस दिन मैं उठ खड़ा होऊंगा," तो वह वहां प्रतिस्थापित करता है "इसके बाद मैं लौटूंगा और डेविड के गिरे हुए तम्बू को उठाऊंगा।" शब्द "इसके बाद मैं लौटूंगा" आमोस की हिब्रू किताब में नहीं हैं, न ही वे सेप्टुआजेंट में हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि जेम्स ने जानबूझकर उस सामान्य समय की अभिव्यक्ति के लिए "इसके बाद मैं वापस आऊंगा और डेविड के गिरे हुए तम्बू को ऊपर उठाऊंगा" प्रतिस्थापित किया, जिसके साथ आमोस मार्ग शुरू होता है। जेम्स इस उद्धरण को अधिक विशिष्ट समय-सीमा में रखकर प्रस्तुत करता है।

इसलिए, यदि परमेश्वर ने पहले अन्यजातियों को उठाया और उसके बाद वापस आएगा, तो यह पहला भाग नहीं है, यह दूसरा भाग है। इसके अलावा, जैसा कि पहले उल्लेख किया गया था, जेम्स यह नहीं कहता है कि अमोस ने भविष्यवाणी की थी कि भगवान अन्यजातियों का दौरा करेंगे और उनसे अपने नाम के लिए एक लोग लेंगे, अधिनियम 15:14 बी। क्योंकि वह कहता है, "भविष्यद्वक्ताओं की बातें इसी से सहमत हैं।" जेम्स यह सुझाव नहीं दे रहा है कि अमोस ने विशेष रूप से उन घटनाओं की भविष्यवाणी की थी जिनका पीटर ने वर्णन किया था, बल्कि यह सुझाव दे रहा है कि अमोस, और यही इसका मूल है, एक ऐसे समय की कल्पना करता है जब ऐसे लोग पहले से ही अस्तित्व में होंगे।

इसलिए जेम्स के अनुसार, अमोस जो कहता है वह पीटर और पॉल द्वारा दर्ज किए गए तथ्य से मेल खाता है कि भगवान ने "अन्यजातियों के पास जाकर उनसे अपने नाम के लिए एक लोग निकालने" शुरू कर दिया है। यदि पूरे परिच्छेद को इन विचारों को ध्यान में रखते हुए पढ़ा जाए, तो

परिच्छेद का खतना के प्रश्न से संबंध देखना मुश्किल नहीं है। परिषद के सदस्यों के लिए तर्क बिल्कुल स्पष्ट प्रतीत होता है। याद रखें, परिषद में मुद्दा यह नहीं था कि क्या अन्यजाति ईसाई बन सकते हैं, बल्कि यह था कि क्या वे ईसाई बन सकते हैं और अन्यजाति बने रह सकते हैं। इस प्रकार अमोस का उद्धरण, किसी तरह से, एक स्पष्ट और तार्किक कारण देना चाहिए कि परिषद को यह निर्णय क्यों लेना चाहिए कि नए गैर-यहूदी धर्मान्तरित लोगों के लिए खतना कराना आवश्यक नहीं है। यह ऐसा तभी करता है, जब इसे उस स्थिति का वर्णन समझा जाए जो उस समय मौजूद होगी जब मसीह अपना राज्य स्थापित करने के लिए वापस आएगा। यदि अमोस इस भविष्य के समय के बारे में बात नहीं कर रहा है, जब ऐसे अन्यजाति होंगे जिन पर मसीह का नाम पुकारा जाएगा, लेकिन केवल यह भविष्यवाणी कर रहा है कि अन्यजातियों को बचाया जाएगा, तो भविष्यवाणी का खतना के मुद्दे पर कोई स्पष्ट संबंध नहीं है।

निष्कर्ष:

निष्कर्ष: जो लोग चर्च की स्थापना के विवरण के रूप में अमोस के उद्धरण की व्याख्या करते हैं, वे एक हैं, जो जेम्स को "अमोस की आलंकारिक व्याख्या" का श्रेय देते हैं, जबकि वास्तव में वह पुराने नियम के सही ग्रंथों को उद्धृत कर रहा था जैसा कि मृत सागर द्वारा प्रमाणित है। स्कॉल पांडुलिपियाँ, जो बाद में भ्रष्ट हो गईं। दो, वे उद्धरण को इस तरह से ले रहे हैं जिसका केंद्रीय प्रश्न से कोई लेना-देना नहीं है, कि क्या गैर-यहूदी धर्मान्तरित लोगों का खतना करने की आवश्यकता है। और तीन, वे उस भाषा की उपेक्षा कर रहे हैं जिसमें जेम्स ने अमोस के वाक्यांश "उस दिन" को हटाकर और "इसके बाद मैं वापस आऊंगा" को हटाकर और एक विशेष समय को इंगित करने के लिए उद्धरण प्रस्तुत किया है कि अमोस की भविष्यवाणी पूरी होगी। दूसरे शब्दों में, ऐसा प्रतीत होता है कि वहाँ अनुक्रम है जहाँ जेम्स कहते हैं, "भगवान ने सबसे पहले अन्यजातियों को अपने लिए एक व्यक्ति के रूप में लेकर चिंता दिखाई" अन्यजातियों के रूपांतरण के बारे में पीटर की चर्चा को सारांशित करते हुए। और फिर वह कहता है कि परमेश्वर का वचन इससे सहमत है। फिर "उस दिन" के बजाय वह कहता है "इसके बाद," "इसके बाद मैं वापस आऊंगा।" अन्यजातियों के

परिवर्तन के बाद, मैं वापस आऊंगा। और जब मैं लौटूंगा, तो पद 17 में आप देखिए, अन्यजाति होंगे जो मेरा नाम धारण करेंगे। उस दिन अस्तित्व में अन्यजाति होंगे जिन पर प्रभु का नाम पुकारा जाएगा। यदि मसीह के दूसरे आगमन के समय अन्यजातियाँ वहाँ हैं जिन पर प्रभु का नाम पुकारा जाता है, तो स्पष्ट रूप से अन्यजातियों को खतना करने की आवश्यकता नहीं है। मुझे ऐसा लगता है, यही तर्क की पंक्ति है।

आमोस 9:11 और 9:13-15 के लिए निहितार्थ अब चलो वापस चलते हैं। यदि आप श्लोक 12 के बारे में उस दृष्टिकोण को अपनाते हैं, तो यह श्लोक 11 की व्याख्या को दृढ़ता से बदल सकता है, जो कि मसीह के पहले आगमन पर चर्च के बजाय दूसरे आगमन में ईसा के युगांतिक साम्राज्य के संदर्भ में है। और ऐसा लगता है कि श्लोक 13-15 के संबंध में, यह सुझाव देगा कि हमें 13-15 को उस समय मौजूद स्थितियों के वर्णन के रूप में पढ़ना चाहिए, न कि चर्च के आलंकारिक विवरण के रूप में। ध्यान दें जे. बार्टन पायने मध्यस्थता की स्थिति लेते हैं। वह श्लोक 11 को मसीह के पहले आगमन में डेविड की वंशावली के पुनरुद्धार के रूप में देखता है। फिर वह अमोस 9:12 की पूर्ति को अन्यजातियों को इज़राइल, यानी चर्च में शामिल करने के रूप में देखता है। वह प्रेरितों 15:16 में वाक्यांश "इसके बाद और मैं वापस आऊंगा" को निर्वासन के बाद और आमोस 9:9-10 के संरक्षण के अर्थ के रूप में लेता है। साथ ही, यह अधिनियमों के संदर्भ के बजाय अमोस के संदर्भ में, "उस दिन" अमोस की अभिव्यक्ति के समतुल्य है। अब मेरे लिए इसका कोई खास मतलब नहीं है। मुझे ऐसा लगता है कि यह अधिनियम का संदर्भ है जिसे हम देखते हैं कि जेम्स ने शब्दों को संशोधित किया है। "पहले" और यह "बाद में मैं लौटूंगा" एक्ट्स संदर्भ है, यह अमोस संदर्भ नहीं है। लेकिन लोग इस पर बहस करते हैं। लेकिन 13-15 से उसका क्या लेना-देना? उनका कहना है कि 13-15 सहस्राब्दी समृद्धि का वर्णन करते हैं। इस प्रकार पने मसीह के पहले आगमन से लेकर अन्यजातियों के विलय के संबंध में सहस्राब्दी समृद्धि के अंत तक आगे बढ़ता है। क्या यह आवश्यक है? क्या यह परिच्छेद एकता है?

अमोस 9:13-15 एल्डर्स , जो सहस्राब्दी वर्ष का है, इसलिए आम तौर पर आप अधिनियम

15:13-15 में चर्च के आलंकारिक विवरण के रूप में अन्यजातियों के रूपांतरण की उम्मीद कर रहे हैं, कहते हैं, "मेरा निष्कर्ष यह है कि हमारे पास दो अलग-अलग भविष्यवाणियां हैं आमोस 9:11-15 में जो दो अलग-अलग विषयों से संबंधित हैं और जो दो पूरी तरह से अलग-अलग अवधियों में पूर्णता पाते हैं। पहला (श्लोक 11-12) डेविड वंश के मसीहाई शासन की घोषणा है। यह हमारे प्रभु यीशु मसीह के आगमन के साथ पूरा हुआ है और इसकी पूर्ति सुसमाचार के प्रचार द्वारा अन्यजातियों के रूपांतरण में जारी है। दूसरा (श्लोक 13-15) निर्वासन से वापसी का वादा है, और फ़ारसी राजा साइरस द्वारा आदेशित वापसी में पूरा किया गया है। दूसरे शब्दों में, यह पुराने नियम काल में पूरा हुआ है। कालानुक्रमिक रूप से छंद 13-15 11 और 12 से पहले होंगे। और वह कहते हैं, " इस दृष्टिकोण के साथ मैं एक ओर उन चिलियास्टों का विरोध करता हूं जो छंद 13-15 को मसीहा के समय में फिलिस्तीन में यहूदियों की वापसी के संदर्भ के रूप में समझते हैं, "मैंने इसका विरोध किया," लेकिन दूसरी ओर विभिन्न गैर-चिलियास्टिक व्याख्याता भी हैं जो श्लोक 13-15 का आध्यात्मिकरण करते हैं, और पूरी तरह से शब्दों के स्पष्ट अर्थ के विपरीत यहां उन आध्यात्मिक लाभों को देखते हैं जो मसीह अपने चर्च को प्रदान करते हैं। दूसरे शब्दों में, उसे उस व्याख्या को स्वीकार करने में परेशानी होती है जो श्लोक 13-15 में चर्च को खोजने में सक्षम होगी। हमें वहां एक शाब्दिक प्रकार की भाषा मिलती है : काटने वाला, हल चलाने वाला, मेरे निर्वासित लोगों इसराइल को वापस लाओ, इसराइल को उनकी अपनी भूमि पर रोपित करो, फिर कभी उखाड़ा न जाए। वह कहते हैं, " न तो एक और न ही दूसरा विचार सही है।" दूसरे शब्दों में, सहस्राब्दी या आध्यात्मिक। हम शब्दों के साथ तभी न्याय कर सकते हैं जब वे अब खड़े हैं यदि हम दोनों भविष्यवाणियों को अलग रखें (भविष्यवाणियों में जो अक्सर देखा जाता है उससे सहमत होकर) और पहले को मसीहा के संदर्भ के रूप में समझें, लेकिन दूसरे को बेबीलोन की कैद से इज़राइल की वापसी के रूप में समझें। . क्या आप देख सकते हैं कि वह किससे कुशती लड़ रहा है? वह श्लोक 13-15 को आलंकारिक रूप में लेने और उसे चर्च में लागू करने की वैधता के साथ संघर्ष कर रहा है। क्या यह 13-15 की भाषा के साथ न्याय करता है? उसने मना किया।"

अच्छा तो फिर उसके पास विकल्प क्या है? देखिए, उनके दृष्टिकोण से, कोई सहस्राब्दी

अवधि नहीं है, इसलिए यदि आप इसे किसी भी तरह से शाब्दिक रूप से पढ़ने जा रहे हैं, तो यह बेबीलोन के निर्वासन से वापसी होगी। लेकिन यह जितनी समस्याएँ हल करता है उतनी ही समस्याएँ भी पैदा करता है क्योंकि, एक, मार्ग का प्रवाह उससे पहले की किसी चीज़ पर वापस आ जाता है। और दूसरा, ये शब्द, "मैं उन्हें उस भूमि पर रोपूंगा जहां वे फिर कभी नहीं उखड़ेंगे," लेकिन निर्वासन से लौटने के बाद उन्हें फिर से उखाड़ दिया जाएगा। तो, आप देखें कि वह कहाँ संघर्ष कर रहा है, लेकिन उसे कोई अच्छी प्रतिक्रिया नहीं मिलती है।

वन्नॉय का सुझाव मुझे लगता है कि जो दृष्टिकोण मैं सुझा रहा हूँ वह हमें दूसरे आगमन की ओर ले जाता है और श्लोक 12 में अन्यजातियों के रूपांतरण के किसी प्रकार के संदर्भ के रूप में नहीं, बल्कि उस समय के कथन के रूप में मसीह की दूसरी वापसी के संदर्भ के रूप में। "ऐसे अन्यजाति होंगे जिनसे मेरा नाम पुकारा जाता है" का अर्थ है कि हमें अन्यजातियों का खतना करने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि जब मसीह लौटेगा तो हम सभी अन्यजाति होंगे जिन पर मसीह का नाम पुकारा जाएगा। और यदि ऐसा है, तो अब हम इन लोगों का खतना क्यों करने जा रहे हैं? यह एक जटिल मार्ग है, और इसमें कई व्याख्यात्मक मुद्दे हैं। मुझे नहीं लगता कि यहां जो कुछ है वह उतना महत्वपूर्ण है, यह बस कुछ अलग-अलग दृष्टिकोणों पर कुछ अतिरिक्त चर्चा है।

जेरेड कुइपर्स द्वारा प्रतिलेखित
 टेड हिल्लेब्रांट द्वारा रफ संपादित
 केटी एल्स द्वारा अंतिम संपादन
 टेड हिल्लेब्रांट द्वारा पुनः सुनाया गया